UGC NET PAPER 3 DECEMBER 28, 2008 SHIFT 1 POLITICAL SCIENCE QUESTION PAPER

J—0208

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **32** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

POLITICAL SCIENCE

राजनीति विज्ञान

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

NOTE : This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्न पत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

SECTION - I

खण्ड – I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks.

(5x5=25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x5=25 अंक)

Read the following passage, and answer the questions given at the end of it :

Political realism believes that politics, like society in general, is governed by objective laws that have their roots in human nature. In order to improve society, it is first necessary to understand the laws by which society lives. The operation of these laws being impervious to our preferences, men will challenge them only at the risk of failure. Realism, believing as it does in the objectivity of the laws of politics, must also believe in the possibility of developing rational theory that reflects, however imperfectly and one-sidedly, these objective laws. It believes also, then, in the possibility of distinguishing in politics between truth and opinion. The main sign-post that helps political realism to find its way through the landscape of international politics is the concept of interest defined in terms of power. This concept provides the link between reason trying to understand International politics and the facts to be understood.

Realism does not endow its key concept of interest defined as power with a meaning that is fixed once and for all. The idea of interest is indeed of the essence of politics and is unaffected by the circumstances of time and space. Political realism is aware of the moral significance of political action. It is also aware of the ineluctable tension between the moral command and the requirements of successful political action. Political realism refuses to identify the moral aspiration of a particular nation with the moral laws that govern the universe. As it distinguishes between truth and opinion, so it distinguishes between truth and idolatry.

The difference, then, between political realism and other schools of thoughts is real, and it is profound. However much the theory of political realism may have been misunderstood and misinterpreted, there is no gain saying its distinctive intellectual and moral attitude to matters political.

निम्न लेखांश को पढ़िये तथा इसके अंत में दिये गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

राजनैतिक यथार्थवाद मानता है कि राजनीति, सामान्य रूप से समाज की तरह से, उन वस्तुनिष्ठ नियमों द्वारा शासित होती है, जिनकी जड़ें मानव स्वभाव में हैं। समाज को सुधारने के लिये, सर्वप्रथम उन नियमों को समझना आवश्यक है जिनका कि समाज अनुपालन करता है। क्योंकि इन नियमों की परिचालना/संक्रिया हमारी पसन्दों की पहुँच के बाहर हैं, तो लोग उन्हें सिर्फ असफलता के जोखिम पर ही चुनौति देंगे। यथार्थवाद, क्योंकि राजनीति के नियमों की वस्तुनिष्ठता में विश्वास करता है, तो उसे तर्क संगत सिद्धान्त, जो इन वस्तुनिष्ठ नियमों को प्रतिबिम्बित करें, चाहें कितना भी अपूर्ण, और एक तरफा हों, विकसित करने की सम्भावना में भी विश्वास करना चाहिये। तो फिर यह राजनीति में सत्य और मत के बीच भेद करने की सम्भावना में भी विश्वास करता है। मुख्य

चिह्न, जो अंतर्राष्ट्रीय राजनीति के भू-दृश्य में से अपना रास्ता ढूंढने में यथार्थवाद की मदद करता है, हित की अवधारणा है, जो कि शक्ति के सम्बन्ध में परिभाषित की गई है। यह अवधारणा, अंतर्राष्ट्रीय राजनीति समझने के लिये तर्क और समझने योग्य तथ्यों के बीच कड़ी प्रदान करता है।

यथार्थवाद, अपनी मुख्य अवधारणा जो कि हित है और जो शक्ति के रूप में परिभाषित की गई है, को हमेशा के लिये स्थिर अर्थ के साथ सम्पन्न नहीं करता है।

हित का विचार सचमुच में राजनीति का निचोड़ है और समय व स्थान की परिस्थितियों से अप्रभावित है। राजनैतिक यथार्थवाद, राजनैतिक क्रियाकलाप के नैतिक महत्व से जागरुक है। वो नैतिक आदेश और सफल राजनैतिक क्रियाकलाप (ऐक्शन) की जरूरत के बीच अपरिहार्य तनाव से भी जागरुक है। राजनैतिक यथार्थवाद, राष्ट्र विशेष की नैतिक आकांक्षाओं के नैतिक नियमों, जो सृष्टि को नियंत्रित करते हैं, के साथ तादात्म्य स्थापित करने से इन्कार करता है। क्योंकि यह सत्य और मत के बीच अन्तर करता है, तो यह सत्य और पूजा के बीच भी भेद करता है।

तो फिर, राजनैतिक यथार्थवाद और अन्य विचारों के सम्प्रदायों के बीच अन्तर वास्तविक है, और यह गहन है। किन्तु, राजनैतिक यथार्थवाद का सिद्धान्त कितना भी गलत समझा गया है और उसका कितना भी गलत निर्वचन किया गया है, राजनैतिक मामलों के प्रति उसका, विशिष्ट बौद्धिक और नैतिक रुख/प्रवृत्ति का विरोध नहीं किया जा सकता है।

Answer the following questions :

निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

1. How is politics governed according to a political realist ?

   राजनैतिक यथार्थवादी के अनुसार किस प्रकार राजनीति शासित होती है?

2. Do the objective laws of politics have a connection with human nature ?

क्या राजनीति के वस्तुनिष्ठ नियमों का मानव स्वभाव से सम्बन्ध है ?

3. What is the significance of the term 'power' in political realism ?

राजनैतिक यथार्थवाद में 'शक्ति' (पावर) शब्द का क्या महत्व है ?

prepp Your Personal Exam Guide

4. What is the role of morality in political realism ?
राजनैतिक यथार्थवाद में नैतिकता की क्या भूमिका है?

5. Is there any difference between political realism and other schools of thoughts ?
राजनैतिक यथार्थवाद और विचारों के अन्य सम्प्रदायों के बीच क्या कोई अंतर है?

prepp Your Personal Exam Guide

SECTION - II / खण्ड – II

Note : This section contains fifteen (15) questions each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks. **(5x15=75 marks)**

नोट : इस खंड में पाँच-पाँच (5-5) अंकों के पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। **(5x15=75 अंक)**

6. What is 'revival of political theory' ?
'राजनैतिक सिद्धान्त का पुन:प्रवर्तन' क्या है?

7. What is Rousseau's 'State of Nature' ?
रुसो का 'प्राकृतिक अवस्था' से क्या अभिप्राय है?

8. What are Gandhi's views on morality ?
नैतिकता पर गांधी के क्या विचार हैं?

9. Explain the concept of feedback.
फीडबैक (प्रतिपुष्टि) की अवधारणा को स्पष्ट करें।

10. Distinguish between indistinct and distinct two party system. Give examples.

अव्यक्त और सुव्यक्त दो दलीय प्रणालीयों के बीच अन्तर करें। उदाहरण दें।

11. What are input functions according to Almond ?

अलमॉण्ड के अनुसार आगत (इनपूट) प्रकार्य क्या है?

12. What is significance of Article 19 of the Indian Constitution ?

भारत के संविधान के अनुच्छेद-19 का क्या महत्व है?

13. What is Public Interest Litigation ?

जनहित याचिका क्या है?

14. What are the privileges of the members of Parliament ?

संसद के सदस्यों के विशेषाधिकार क्या हैं?

15. What is informal organization ?

अनौपचारिक संगठन से आप क्या समझते हैं?

prepp Your Personal Exam Guide

16. What do you mean by administrative culture ?

प्रशासनिक संस्कृति से आप क्या समझते हैं?

17. What is new Panchayati Raj ?

नया पंचायती राज क्या है?

18. Define 'interest' in international politics.

अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में 'हित' को स्पष्ट करें।

19. What is disarmament ?

नि:शस्त्रीकरण क्या है?

20. What is neo political realism ?

नव-राजनैतिक यथार्थवाद क्या है?

SECTION - III
खण्ड – III

Note : This section contains five (5) questions of twelve (12) marks each. Each question is to be answered about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

नोट : इस खंड में बारह-बारह (12) अंकों के पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है।

(12x5=60 अंक)

21. Examine Nozick's theory of distributive justice.

नॉज़िक के वितरण न्याय सिद्धान्त की परीक्षा करें।

22. How political culture affects the working of a political system ?

राजनैतिक प्रणाली की कार्यशीलता को राजनैतिक संस्कृति किस प्रकार प्रभावित करती है?

23. Discuss the emergency powers of the President of India.

भारत के राष्ट्रपति की आपत्तकालीन शक्तियों का विवेचन करें।

24. Discuss the role of the chief executive in an organization.
संगठन में मुख्य संचलक की क्या भूमिका है?

25. Examine India's role in South Asian politics.
दक्षिण-एशियाई राजनीति में भारत की भूमिका की परीक्षा करें।

prepp
Your Personal Exams Guide

prepp
Your Personal Exams Guide

prepp
Your Personal Exams Guide

prepp
Your Personal Exam Guide

SECTION - IV

खण्ड – IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics.

(40x1=40 marks)

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंकों का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

26. Examine relevance of Gandhism in the context of globalization.

भू-मंडलीकरण के संदर्भ में गांधीवाद की प्रासंगिकता की परीक्षा करें।

OR / अथवा

Critically examine Almond's Structural Functional Approach to the study of politics.

राजनीति के अध्ययन में अलमॉण्ड की संरचनात्मक प्रकार्यात्मक उपागम की आलोचनात्मक परीक्षा करें।

OR / अथवा

How far have the Directive Principles of State Policy facilitated the realisation of social Justice in India ?

राज्य नीति के निदेशित सिद्धान्तों ने भारत में सामाजिक न्याय की लब्धि को कहां तक सुलभ बनाया है?

OR / अथवा

Critically examine the impact of liberalisation on Public Administration.

लोक प्रशासन पर उदारीकरण के प्रभाव की आलोचनात्मक परीक्षा करें।

OR / अथवा

Discuss Indo-US relations during the last decade.

पिछले दशक के दौरान भारत-अमरीका सम्बन्ध का विवेचन करें।

prepp Your Personal Exams Guide

prepp
Your Personal Exams Guide

prepp
Your Personal Exams Guide

FOR OFFICE USE ONLY

Marks Obtained

Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) ....

(in figures) ....

Signature & Name of the Coordinator ....

(Evaluation) Date ....